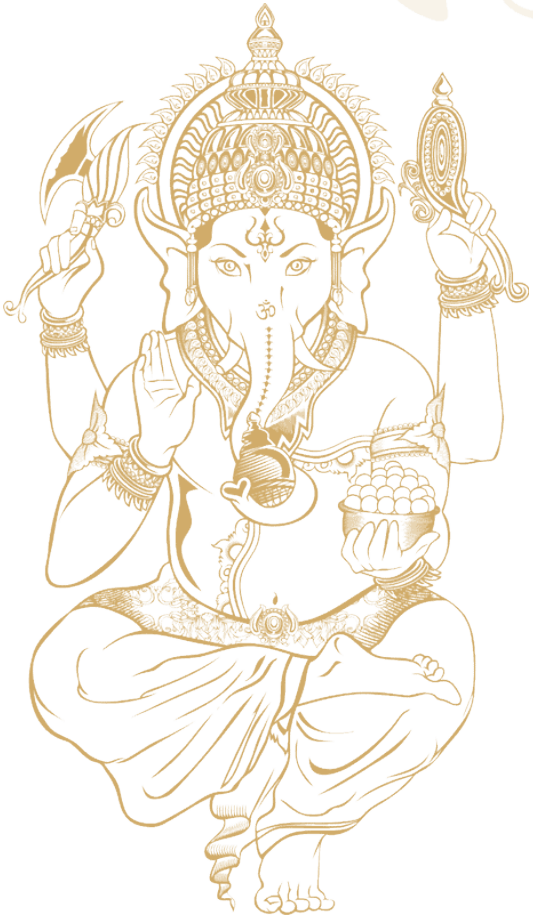

Sh. Raj

12 Feb 1953

04:55 AM

Virarajendrapet

Model: web-freekundliweb

Order No: 120861104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/02/1953**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:55:00 घंटे**
इष्ट	55:11:30 घटी
स्थान	**Virarajendrapet**
राज्य	Karnataka
देश	India

अक्षांश	12:12:00 उत्तर
रेखांश	75:46:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:28:04 घंटे
वेलान्तर	-00:14:22 घंटे
साम्पातिक काल	13:54:56 घंटे
सूर्योदय	06:50:23 घंटे
सूर्यास्त	18:32:05 घंटे
दिनमान	11:41:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:45:15 मकर
लग्न के अंश	28:50:25 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	28:50:25	353:37:48	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			मक	29:45:15	01:00:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	00:42:50	14:43:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	09:46:11	00:45:23	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	कुंभ	06:45:13	01:49:41	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			मेष	20:06:04	00:07:05	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	16:08:52	00:54:59	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		तुला	04:03:04	00:00:44	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
राहु			मक	19:10:28	00:00:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु			कर्क	19:10:28	00:00:35	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		मिथु	21:52:29	00:01:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
नेप	व		तुला	00:35:29	00:00:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
प्लूटो	व		कर्क	28:49:32	00:01:28	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
दशम भाव			तुला	07:39:43	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:12:22

लग्न-चलित

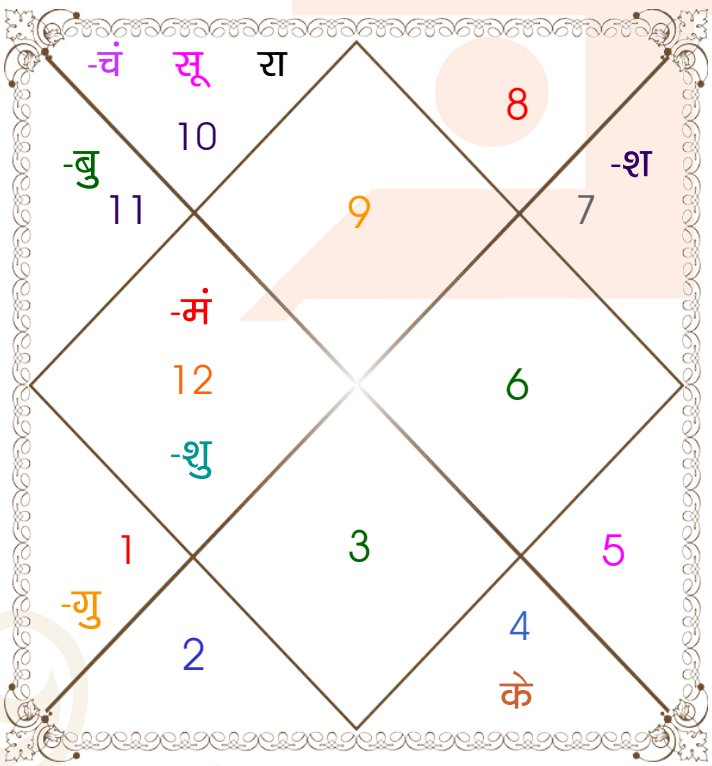

चन्द्र कुंडली

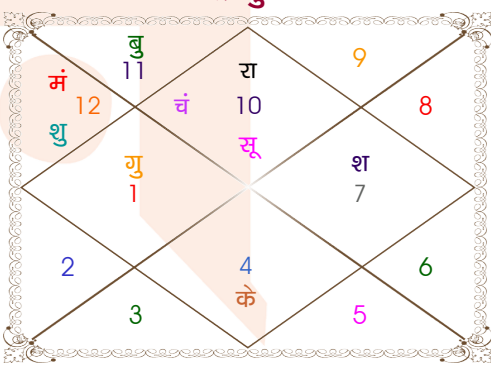

नवमांश कुंडली

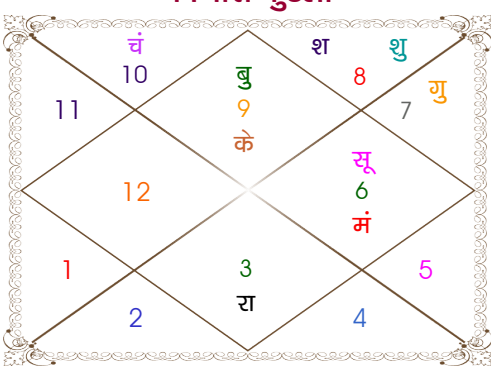

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 2 मास 4 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/02/1953		18/04/1957		19/04/1967		18/04/1974		18/04/1992	
18/04/1957		19/04/1967		18/04/1974		18/04/1992		18/04/2008	
	00/00/0000	चंद्र	16/02/1958	मंगल	15/09/1967	राहु	29/12/1976	गुरु	06/06/1994
	00/00/0000	मंगल	17/09/1958	राहु	02/10/1968	गुरु	25/05/1979	शनि	17/12/1996
	12/02/1953	राहु	18/03/1960	गुरु	08/09/1969	शनि	31/03/1982	बुध	25/03/1999
राहु	06/05/1953	गुरु	18/07/1961	शनि	18/10/1970	बुध	17/10/1984	केतु	29/02/2000
गुरु	22/02/1954	शनि	17/02/1963	बुध	15/10/1971	केतु	05/11/1985	शुक्र	30/10/2002
शनि	04/02/1955	बुध	18/07/1964	केतु	12/03/1972	शुक्र	05/11/1988	सूर्य	18/08/2003
बुध	12/12/1955	केतु	16/02/1965	शुक्र	12/05/1973	सूर्य	29/09/1989	चंद्र	17/12/2004
केतु	18/04/1956	शुक्र	18/10/1966	सूर्य	17/09/1973	चंद्र	31/03/1991	मंगल	23/11/2005
शुक्र	18/04/1957	सूर्य	19/04/1967	चंद्र	18/04/1974	मंगल	18/04/1992	राहु	18/04/2008

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/04/2008		19/04/2027		18/04/2044		19/04/2051		19/04/2071	
19/04/2027		18/04/2044		19/04/2051		19/04/2071		00/00/0000	
शनि	22/04/2011	बुध	14/09/2029	केतु	14/09/2044	शुक्र	18/08/2054	सूर्य	06/08/2071
बुध	30/12/2013	केतु	11/09/2030	शुक्र	14/11/2045	सूर्य	18/08/2055	चंद्र	05/02/2072
केतु	08/02/2015	शुक्र	12/07/2033	सूर्य	22/03/2046	चंद्र	18/04/2057	मंगल	12/06/2072
शुक्र	09/04/2018	सूर्य	19/05/2034	चंद्र	21/10/2046	मंगल	18/06/2058	राहु	12/02/2073
सूर्य	22/03/2019	चंद्र	18/10/2035	मंगल	19/03/2047	राहु	18/06/2061		00/00/0000
चंद्र	20/10/2020	मंगल	14/10/2036	राहु	06/04/2048	गुरु	17/02/2064		00/00/0000
मंगल	29/11/2021	राहु	04/05/2039	गुरु	12/03/2049	शनि	19/04/2067		00/00/0000
राहु	05/10/2024	गुरु	09/08/2041	शनि	21/04/2050	बुध	16/02/2070		00/00/0000
गुरु	19/04/2027	शनि	18/04/2044	बुध	19/04/2051	केतु	19/04/2071		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।